Sri Arvind Mahila College, Patna

Accredited by NAAC with B^{+} Grade

(A Constituent Unit of Patliputra University, Patna)

Awareness program विश्व स्तनपाना दिवस

Date	No. of students enrolled	Organizing Department
06-08-2017	106	Home Science

14 लाख बच्चे नहीं पीते हैं छह माह तक मां का दूध

विश्व स्तनपान सप्ताह

शून्य से पांच साल उम्र की बच्चों की मौत

प्रदेश में मां का दूध पिलाने वाली महिलाओं की स्थिति

दूध पिलाने में जिलों की प्रतिशत में स्थिति

बच्चों को स्तनपान कराने से कम हो जाती है स्तन कैंसर की आशंका

बच्चों को जरूर कराएं स्तनपान

मां का दूध पीने वाले बच्चे कम पड़ते हैं बीमार

पटना एम्स

आयुर्वेदिक कॉलेज में लघु कार्यशाला

छात्राओं को जागरूक रहने की मिली नसीहत

लाइफ रिपोर्टर @ पटना

अरविंद महिला कॉलेज में गृह-विज्ञान और इंडियन डायेटिक एसोसिएशन बिहार चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान द्वारा स्तन पान सप्ताह के अवसर पर स्तनपान का महत्व विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया. मंगलवार को हुए इस आयोजन में मुख्य वक्ता के तौर पर चिकित्सक डॉ रोमा गोस्वामी और डॉ राजेश गस्वामी मौजूद थे. इस आयोजन में कॉलेज की प्राचार्या डॉ उषा सिंह ने स्तनपान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करते हुए कहा कि नवजात शिशु को पहला दूध पिलाने से उसकी सेहत पर कोई बुरा असर नहीं पड़ता है. गृहविज्ञान की प्रोफेसर डॉ विभी सिंह ने कहा कि जागरूकता फैलानी चाहिए.

बच्चों को स्तनपान कराने से कम हो जाती है स्तन कैंसर की आशंका

पटना | हिन्दुस्तान प्रतिनिधि

बच्चों के लिए मां का दूध अमृत होता है। बच्चे के जन्म के बाद एक से बारह घंटे के भीतर मां का दूध पिलाना चाहिए। इससे बच्चे में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। उनके शरीर में एक ऐसा लेयर बन जाता है, जो छोटी-मोटी बीमारियों को उनके पास भटकने भी नहीं देता है...।

ये बातें डॉ रूमा गोस्वामी ने अरविंद महिला कॉलेज में विश्व स्तनपान सप्ताह के मौके पर आयोजित सेमिनार में कहीं। मंगलवार को विश्व स्तनपान सप्ताह के मौके पर कॉलेज के होम साइंस [illegible]

मंगलवार को अरविंद महिला कॉलेज में विश्व स्तनपान सप्ताह के मौके पर सेमिनार का उद्घाटन करते शिक्षक व अतिथि।

इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। डॉ रूमा ने स्तनपान का महत्व बताते हुए कहा कि यह केवल [illegible]

भी बहुत लाभ होता है। स्तनपान कराने वाली माताओं को स्तन कैंसर की संभावना कम होती है। कार्यक्रम [illegible]

आजकल 75000 में से 36000 महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर की समस्या होती है। इसके साथ ही [illegible]

Estd. : 1960

Phone : 0612-3266992, 3266993
E-mail : samcpatna@gmail.com
Website : www.samcpatna.org

SRI ARVIND MAHILA COLLEGE, PATNA

(A Constituent Unit of Magadh University)
Kazipur, Patna - 800 004 (Bihar)

Ref. No. .... Date ....

प्रेस विज्ञप्ति

विश्व स्तनपान सप्ताह पर आयोजन

'बच्चों के लिए अमृत है माँ का दूध'

— डॉ. रोमा गोस्वामी

पटना, 1 अगस्त। मां का दूध बच्चों के लिए अमृत माना गया है। नवजात शिशु के लिए प्रथम आहार के रूप में मां का दूध बच्चे को जीवन पर्यन्त निरोग रखता है। बच्चे को कम से कम 6 माह तक मां का दूध दिया जाना चाहिए। ये कहना है मशहूर चिकित्सक डॉ. रोमा गोस्वामी का। वे आज बतौर मुख्य वक्ता 'विश्व स्तनपान सप्ताह' पर आयोजित 'स्तनपान का महत्व' विषयक सेमिनार को संबोधित कर रही थी। सेमिनार का आयोजन श्रीअरविन्द महिला कॉलेज के गृहविज्ञान विभाग एवं इंडियन डायेटिक एसोसिएशन के बिहार चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। समारोह की अध्यक्षता गृहविज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ. शहनाज खानम एवं संचालन हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. शिवनारायण तथा आई. डी. ए. के सचिव डॉ. मनोज कुमार ने किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रख्यात चिकित्सक डॉ. राजेश गोस्वामी ने कहा कि पाश्चात्य जीवन शैली ने भारतीय समाज का स्वास्थ्य चरित बदल दिया है, जिस कारण असमय नाना प्रकार की बीमारियां लोगों को अपने गिरफ्त में ले रही हैं। इन्हीं बीमारियों में स्तन कैंसर भी है, जिसे लेकर भारत का दुनिया में दूसरा स्थान है।

आरंभ में गृहविज्ञान की प्रोफेसर डॉ. विभी सिंह ने विषय प्रवेश कराते हुए कहा कि स्तनपान कराने से मां का स्वास्थ्य बेहतर होता है, जिसकी जागरूकता फैलानी चाहिए, ताकि अधिक से अधिक माँएं अपने नवजात शिशु को स्तनपान कराकर बच्चे की सेहत को सँवार सकती हैं।

कॉलेज की प्राचार्य डॉ. इच्छा सिंह ने आरंभ में अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस भ्रांत धारणा को खत्म किया जाना चाहिए कि नवजात शिशु को प्रथम दूध पिलाने से बच्चे का सेहत बिगड़ता है।

इस अवसर पर गृह विज्ञान विभाग की अनुपमा सिंह, कुंजन कुमारी, सोनी कुमारी सहित डॉ. कल्याणी मौर्य, डॉ. शिवनारायण, डॉ. सरिता कुमारी आदि मौजूद थे। सेमिनार का समापन प्रो. पूनम चौधरी के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

(हस्ताक्षर) 1.8.17

मीडिया प्रभारी